

01/10/04

1000Rs.



प्रेरक का नाम को पता

श्रीमति बेबी देवी पत्नी श्री नारायण भूशय्य (राम)
 जारि भूशय्य खाण के पो लोहेहार थाना
 को जिला लोहेहार पेशा कारुकारी राहदीयता
 भारतीय शपथ पत्र सं 6970 दिनांक 13/10/04
 कौटुंबी पब्लीक लोहेहार

किस्म वसीना - केवाला कयला कलामी
 Sale deed.

जरसमत मौ - 156000 / एक लाख छप्पन
 हजार रुपया ।

रस-पब्लिक देव. बा. मु. नं. 211

13-10-04

सम्पत्ति का विवरण

एराजी 9 1/2 जी सादे नौ जी
 जमीन थान खेत आवासीय लाभक एकिकत
 रैयती कम्बोप से प्राप्त अधिचि एक
 फसला के मीजा लोहेहार येवा चटनावी
 थाना को जिला लोहेहार सबडिकिन को
 जिला रजिस्ट्री कचहरी लोहेहार जो थडान
 लीन से बाहर को अधिचि क्षेत्र के
 अन्दर है खागा वगेरह हसब नफसीब

नो. 95/अ. 10/04
 लो. को. बा. थान. लोहेहार
 सि. थान. लोहेहार
 13/10/04



जो है, जिसमें किसी प्रकार का मकान नहीं है।

दस्ता नं० ५

शेज	खेवट	घात का घात. नं०	जमावन्दी
51	1	लारेहार 250	938

खाना	प्लीट	रकबा	श्रीदी
15	762	9 1/2 शे०	30 खोहन भइयों के अर्पित साक
पन्द्रह	खान से	सादे नौ शे०	द० आर्पित साक
	कासद	घात 77	20 अस्या पिछ के प्लीट 762
			प० सुरेन्द्र प्रसाद के खोहन भइयों हाल खरीदना
1	1	9 1/2 शे०	

200-परीक्षा पूर्व वाच सुनकर 217
 13-10-04

जमा रखनी 9 1/2 शे० सादे नौ शे० जमाने बिना कराने हैं, खरीदनी केवाला नं० 532 जि० 2 पै० 200 से 205 रु० । दिनांक 30-5-1998 लारेहार निबंधन कार्यालय मालगुजारी - 25 पैसा आलाके शेष

नाम मासिक - फारखान सरकार कजरीय
 अंचल कार्यालय लारेहार

विदिन हो कि वसीका राजा खाना पंच की सम्पत्ति विवेका की हकिगत रैअति मौरसी वकशीय से प्राप्त है जो लारेहार निबंधन

200-परीक्षा पूर्व वाच सुनकर 217
 13-10-04



कार्यालय के कसीन नं० 532 दिनांक 25-4-95 को सम्पन्न हुआ उसके बाद से अब तक डिमांड को सलीमा रसीद विक्रेता के नाम चल रहा है वो इखल कब्जा जोर कोइ विक्रेता के कब्जे में शारी पूर्वक चलता आ रहा है इसबाल विक्रेता को प्री 156000/रु की वासतल जरूरत है वास्तु बनावे मकान को लड़की की शादी में लिए कमी को चुकाके हेर जो बिना जमीन बेचे करना मुश्किल हो चुका है इसलिए विक्रेता ने अपने घर परिवार में शौच विचार कर शरीर के र्शनी स्वस्थता में जमीन बेचने का एलाग किया जो केग खुने एवं विक्रेता के पास जाकर जसमग तम किया जो आज के चलते बाजार के मुगबिक उधिर के जाफ्त है इसलिए विक्रेता ने पाठ को साफ सम्पत्ति को नगद कीमत लेकर केग के हांच सौंपकर पाज आर को दर मुजरे अब केग के चहिर कि भसल केवाला प्राप् कर सरकार के सीरीसग भंचल कार्यालय में अपना नाम दाखिल कराकर सलीमा रसीद कयाता करे एवं उक्त भूमि को अपने इच्छानुसार अपने मशाफ में लीव या जैसा उधिर समझे करे उससे विक्रेता

सो-पशादी पनी-बप-मुनेनर-रिप

13-10-04





या उसके किसी भी वाणिज्य को कोई उजर
की एरराज नहीं है और न आइन्दा होगा
इसलिए नगद कीमत लेकर लिख दिया
कि समझ पर काम आने के प्रमाण सन्द
रहे।

गार्ड 13/10/04

प्रमाणित किया जाता है कि इसरी
प्रतिष्ठल का सही प्रतिलिपि है।

कारिब

अमलेश कुमार सिंह

गार्ड

अमवाठीकर लालेहार

केवाला मजदूर पढ़कर दोनों
पक्षों को सुना वो समझा दिया।

श्री. पद्मेश्वर देवी वाठ - मुंबई २१५

13-10-04

